ये अव्यक्त इशारे

संस्कार मिलन की रास करो

9-04-2024

यह देह रूपी वस्त्र किसी भी संस्कार से लटका हुआ न हो। जब सभी पुराने संस्कारों से न्यारा हो जायेंगे तो फिर अवस्था भी न्यारी हो जायेगी इसलिए सभी बातों में इज़ी रहो। जब खुद सभी में इज़ी रहेंगे तो सभी कार्य भी इज़ी होंगे और पुरुषार्थ भी इज़ी होगा।

Perform the dance of harmonising sanskars.

Let the costume of your body not cling to any sanskars. When you become detached from all your old sanskars, your stage too will become detached. Therefore, remain easy in everything. When you yourself remain easy in everything, all tasks will become easy and effort will also become easy.